ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-७६
दिनांक- मंगलवार,१० अक्टूबर,२०१७

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.४ एवं २५.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ सुबह में एवं दोपहर में ७३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.७ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.० एवं दोपहर में ३३.२ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(११ - १५ अक्टूबर,२०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ११-१५ अक्टूबर,२०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

१. उत्तर बिहार के जिलों में अगले २४-४८ घंटो में हल्की वर्षा होने की संभावना है, हलाकि मधुबनी दरभंगा समस्तीपुर एवं बेगुसराय जिलों में कहीं-कहीं मध्यम वर्षा हो सकती है।
२. इस अवधि में अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस रह सकती है तथा न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
३. औसतन ६ से ८ कि० मी० प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पुरवा हवा चलने की संभावना है।
४. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि अगले दो दिनों तक मटर, तोरी की बुआई ना करे एवं अन्य फसलों पर किसी भी प्रकार के कीटनाशक का व्यवहार न करें।
- शरदकालीन गन्ना की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। १५ अक्टुबर के बाद इसकी रोपाई की जा सकती है।
- पीली सरसों की बुआई के लिए मौसम अनुकूल हो रहा है, इसकी बुआई १० अक्टुबर के बाद की जा सकती है। राजेन्द्र सरसों-१ तथा स्वर्णा किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित हैं।
- मसूर, मटर, राजमा, मेथी, लहसुन, धनियाँ, राई एवं सुर्यमुखी फसलों के समय से बुआई के लिए खेतों की तैयारी करें। गोबर की सडी खाद १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है। खेतों में अंकुरण के लायक नमी बनाये रखने के लिए खाली खेतों की प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य चला दें।
- हवा मे अधिक नमी होने के कारण, धान की फसल जो बालियॉ निकलने तथा दुध भरने की अवस्था में है, इन फसलों में गंधी बग कीट का प्रकोप होने की संभावना अधिक है। इसकी निगरानी समय-समय पर करते रहें। गंधी बग कीट के शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। यह कीट दाने को चुसकर खोखली एवं हल्की बना देती है, जिससे उपज काफी प्रभावित होता है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव मौषम के साफ रहने पर करें।
- फुल गोभी, मिर्च, टमाटर, बैगन, प्याज, भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला एवं खीरा में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें।
- किसान बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि बटन मसरूम के उपज हेतु खाद बनाना शुरू कर दे और २० अक्टूबर तक बनाने की प्रक्रिया समाप्त कर दे। ताकि दिसम्बर के प्रथम सप्ताह से फसल निकलना प्रारम्भ हो जाए अन्यथा फसल देर से निकलेगी एवं ऊपज में भारी कमी आयेगी ।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.० डिग्री सेल्सियस	आज का न्यूनतम तापमान :२५.० डिग्री सेल्सियस

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी